

DPN 6714

Title : जल होम विधि

JALAHOMAVIDHI

Run. No. 7440

Cat. No. 97

Micro. No.

Subject *Karmakānda*

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 22.8 × 7.7

Folios 3

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper ✓ / thyasaphu /

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water / *one side yellow*

Beginning, colophon, post-colophon : ✓

जल होम विधि माह ॥

५७. जल होम

शीव रुसुखाय नमः ॥ रुलहोम विधिमाह ॥ ॥ कृपां मयायुत्रमधुल... पक्षगवामि
कृत्य मधुलचिलक... नागसमाधिवा सुम्वलसमाधिवा... कृगपडा रुलहोम वनूनादिना
गलावना ॥ उलं मुं कलहसुत्ररुसध... वायुमधुलधन्वाहं पयां किर्ग रुसध... वनूनां गुकु
पय कपयि मर्गं लं... तगोरुदलयमगिर्ग रुसध... वनूनां नागवाडा सुफरुना विरुषिर्ग
मानूखास्य दकि नहं रुनखध्वत्र... वामरुन नागवा सुधत्रं सुवात्रं कात्ररुषिर्ग कमला
पयिवरुपर्ये कासनसिर्ग आयातू ॥ ॥ अप. शीखतु वरुषं रुगवंगामहा नागसम लोत्पारुः

परागीन्द्ररत्न वचनाम

गवताह्या वर्षध्वजपुमकुरु ॥ ॥ वनरावना ॥ सट्टिसुनाननकत्रं गुनिषान्नं लावः
 नासमापन्नं येना वनप्रतिनामन वरु वननीसुर्वीगीभीर्मानख्यासी सफरुना विरुषिर्दि
 रुकुनागपासधवागिर्गिर वल्लहासमापन्नगोवं सर्वर्द्धवप्रधनं नारुधवशसर्वा कालसम
 यस्वर्व विरावाधा नस्मिस्वर्द्धा द्विजसि समापन्नज्ञानसर्वं नृयोदिदानपत्रसवं ॥ धनधूप
 शीषेयु निमकुना निलाङ्गन नृध्वं नल ह्वं नृध्वं वनकात्रसुइनहायक ॥ विधिर्विपूजा ॥
 उवकुसलसमयसुखं ॥ ॥ कृष्णवस्याहिषिं वरु ॥ पूजामकु ॥ उं ग्रावनाय हूं स्वाहा ॥ धन

गाउनयाया ॥ गभलिकि गभइइ नृध्वं शयूरुम कषिसाखल चालुवाक पीयंगु नृध्वं गाउन
 याय जाप धात्र १०८ मकु ॥ उवकु वनमहाना गभियरुयं ॥ हूं नृध्वं विधि वर्षापयइ नृध्वं स्वा
 हा ॥ पंलां धं हुता ॥ वलिवियइ कि अय उगु नि धल धाकि हलसगय मरुध्वं नृध्वं नृध्वं
 नि ॥ १ ॥ नागमूत्रगिन साकिनस्वया अक वधनी पूजा ॥ पूर्व ॥ नृध्वं कनक मय कसला कन
 मूर्द्धा नंहिनाङ्गनपरं सफरुनामकमख धिरुइ कर्गी कलिनं नारु वरु उरुगम कात्रं उपवि
 मनुष्य मूर्ति समयसुखं नृध्वं समं ज्ञानसुखं ॥ धूपगुगु लि ॥ नृध्वं वीर क म नं पूजा ॥ उं नृध्वं नाय हूं

स्वाहा॥ पूजा मनु॥ गाउन मनु॥ ॐ न न नागधियगय ॐ ह रु म्बुधि प रु ल प त्र य वर्षा पय २ ई
 न ई स्वाहा॥ बलि रुगु कि क सि मु ति ॥ २ ॥ म क्रि ता॥ द क्रि न प म वा ग म दि म र्य पी व स मा कु नः
 श्री र्षी॥ स फ रु मो ना क रु ड म ना व स नि रुं दि रु रु क म र्व क ना रु लि न ना रु व रु रु ग म का व रुं
 प त्रि म नू र्वा स म र्य स र्व रु ल म र्म ह न स र्व ॥ ध प न कि अ र्घ्य पू र्वा वा ग क म नं पू जा ॥ उं पं द्रा य ईः
 स्वाहा॥ गाउन मनु॥ ॐ न न नागधियगय ॐ ह रुं वुधि प रु ल प त्र य वर्षा पय २ ई न ई स्वाः
 हा॥ पं ली र्घं रुं रु शा ब लि रुगु ति रु उ म ॥ मु ति ॥ ३ ॥ प श्वि मा प श्वि म रु रु कं ना स म य नं दा व

२

रु क गी लं स फ रु ना कं क मा वृ नं दि रु रु क म र्व क ना रु लि न ना रु व रु स र्वा का व रुं उ प त्रि म
 नू र्वा व र्प स म य स र्व वि रु वा रु ल म र्म ह न स र्व ॥ ध प सि द्धा य ॥ अ र्घ्य म नि क पू जा ॥ रु रु का य ईः
 स्वाहा॥ गाउन ॥ रु रु का य म हा ना ग धि प ग य ॐ ह रु म्बुधि प रु ल प त्र य वर्षा पय २ ई न ई स्वाहा॥
 पं ली र्घं रुं रु शा ब लि रुगु ति सा र्व ल ॥ ४ ॥ उ रु व ॥ उ रु व वा स की नं स फ ना ग म र्य गि स वा क्रि रुः
 सि ह गी ना रुं दि रु रु क म र्व क ना रु लि न ना रु व रु स र्व कां लं उ प त्रि म नू र्वा स म य स र्व रु ल म र्म ह
 न स र्व ॥ ध प के र्प्य अ र्घ्य म ल पू जा ॥ ॐ न ना ग धि य रु स्वा हा ॥ उं गी ना ॥ उं वा स कि य ॐ ह रु म्बुधि
 ना ग धि य रु

जल होम

मङ्गलप्रय वर्षाप्रयश्च न दूखाहा ॥ यैलाघं तु न भवति ॥ उकि साइइ ॥ ५ ॥ अल्म ॥ संघपाः
 लसिसकमयैखरि कं कसर्वसफरुना पीतं द्विमुके कमखं कना कलिनं नारुवधपन्नम का
 लं उपविमनूषाप्रपं समयसत्वं न समं हनसत्वं ॥ धप बाल नृयला अग्नूपा ॥ ७ ॥ संघपाः
 गाय दूखाहा ॥ न उना ॥ ७ ॥ संघपाः न गमधिप नय ॥ ह ई वृद्धि प ॥ न य प्रय वर्षाप्रयश्च न
 दूखाहा ॥ यैलाघं तु न भवति ॥ उकि रूलकं कुमा ॥ ७ ॥ नैमय ॥ कर्क ग क का समयसफ
 रुना ॥ न नीलार्क न न राशिनया क सिव ॥ द्विमुके कमखं कना कलिनं नारुवध ॥ उवगमः